

समय: दो घंटे

परिचय

जैसा कि हम जानते हैं, वी.एच.एन.डी. के दिन स्वास्थ्य, स्वच्छता तथा पोषण से संबंधित विभिन्न सेवाएं और सुविधाएं गांव में एक ही स्थान पर दी जाती हैं। इस मॉड्यूल में विस्तार से चर्चा की गई है कि किस प्रकार स्वास्थ्य कार्यकर्ता इस अवसर का इस्तेमाल प्रभावी आपसी बातचीत तथा सलाह के लिए कर सकते हैं। (वी.एच.एन.डी. के दौरान समूह संचार के बारे में अगले मॉड्यूल में जानेंगे)

मॉड्यूल में स्टोरी कार्ड्स का प्रयोग करते हुए प्रतिभागियों को काल्पनिक कहानी सुनाई जाती है। कहानी के माध्यम से प्रतिभागी जानते हैं कि वी.एच.एन.डी. के दौरान किस प्रकार आपसी बातचीत तथा सलाह के लिए अनुकूल माहौल बनाया जाए। साथ ही किस प्रकार आपसी बातचीत के कुछ कौशलों तथा नियमों (ध्यान से सुनना, प्रोत्साहित करना, रिश्ते बनाना, अभिवादन करना, सम्मान करना, गोपनीयता आदि) का पालन करते हुए किस प्रकार वी.एच.एन.डी. के दौरान प्रभावी आपसी बातचीत की जाए।

इस शृंखला के अन्य मॉड्यूल की तरह इस मॉड्यूल में भी स्वास्थ्य संबंधी एक विषय (टीकाकरण) का सन्दर्भ लिया गया है। इस प्रकार इस प्रशिक्षण सत्र में स्वास्थ्य कार्यकर्ता वी.एच.एन.डी. के दौरान प्रभावी संचार के बारे में सीखने के साथ-साथ टीकाकरण से जुड़े संदेशों को भी दोहरा सकेंगे।

सत्र के उद्देश्य

सत्र के अंत तक प्रतिभागी:

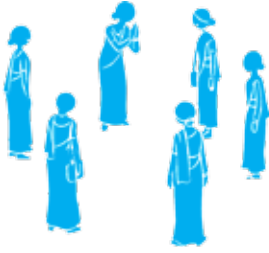
- ◆ समझ सकेंगे कि वी.एच.एन.डी. के दौरान आपसी बातचीत के लिए अनुकूल माहौल बनाना क्यों जरूरी है।
- ◆ ध्यान से सुनना, प्रोत्साहित करना, रिश्ते बनाना, अभिवादन करना, सम्मान करना, गोपनीयता का पालन आदि आपसी बातचीत के नियमों के बारे में बता सकेंगे।
- ◆ बता सकेंगे कि हर बार टीकाकरण के बाद दिए जाने वाले 'चार जरूरी संदेश' क्या हैं, और उनकी आवश्यकता क्यों है।
- ◆ टीकाकरण से जुड़ी कुछ प्रमुख भ्रांतियों तथा उनके निदान के बारे में जान सकेंगे।



सत्र की प्रक्रिया

चरण 1

सत्र के प्रारम्भ में सभी प्रतिभागियों का स्वागत तथा अभिवादन करें तथा सत्र में शामिल होने के लिए उन्हें धन्यवाद दें। एक गीत के साथ सत्र को प्रारम्भ करें।



चरण 2

समूह को पिछले प्रशिक्षण सत्र के बारे में याद दिलाएं। पूछें कि उसमें की गई चर्चा के आधार पर क्या किसी प्रतिभागी ने कोई कदम उठाए हैं? किसी भी प्रतिभागी की अच्छी और सकारात्मक पहल के लिए उसकी सराहना करें। यदि पिछले सत्र के बारे में कोई प्रश्न हों तो उनके उत्तर दें। चर्चा को संक्षिप्त रखें। वर्तमान सत्र के विषय के बारे में बताएं।



चरण 3

प्रतिभागियों को दो समूहों में विभाजित करें। अब पहले समूह को 'संगीता और चार संदेश' कहानी के स्टोरी कार्ड्स का पहला भाग दें। प्रतिभागियों को कार्ड देखकर एक कहानी बनाने को कहें। इसके बाद समूह के सदस्य एक-एक कर कहानी को मॉड्यूल से पढ़ते जायेंगे। दूसरा समूह इस दौरान कोई गतिविधि नहीं करेगा।

कार्ड 1

ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस चल रहा था। जब संगीता अपने बच्चे को टीके लगवाने आई, तो उस समय वहां बहुत भीड़ थी। सभी लोग ए.एन.एम. दीदी को घेरकर खड़े हुए थे। इस भीड़-भाड़ से ए.एन.एम. दीदी भी कुछ चिड़चिड़ाई हुई थीं।



कार्ड 2

अपनी बारी आने पर संगीता ए.एन.एम. दीदी के पास वाले स्टूल पर बच्चे को लेकर बैठ गई। उसने ए.एन.एम. दीदी को नमस्ते किया, लेकिन ए.एन.एम. दीदी ने कोई जवाब नहीं दिया। उन्हें बच्चे को टीका लगाने की जल्दी थी।



कार्ड 3

इसी माहौल में ए.एन.एम. दीदी ने बच्चे को टीका लगाया और बच्चा रोने लगा।



कार्ड 4

टीका लगाकर ए.एन.एम. दीदी ने संगीता को 'चार जरूरी सन्देश' देना शुरू किया, लेकिन आस-पास बहुत शोर था। संगीता का बच्चा भी जोर से रो रहा था। संगीता कुछ भी सुन या समझ नहीं पा रही थी। उसका पूरा ध्यान अपने बच्चे को चुप कराने पर था। फिर भी ए.एन.एम. दीदी ने अपनी ओर से फटाफट 'चार जरूरी सन्देश' दिए।



कार्ड 5

संगीता ए.एन.एम. दीदी से कुछ पूछना या कहना चाह रही थी, लेकिन ए.एन.एम. दीदी ने उसे उठने का इशारा किया और वह उठ गई।



कार्ड 6

इसके बाद ए.एन.एम. दीदी ने अगले बच्चे के टीके के लिए दूसरी महिला को अपने पास बिठा लिया। अपना सा मुंह लिए संगीता वापस चली आई।



चरण 4

कहानी पूरी हो जाने के बाद प्रतिभागियों से निम्न प्रश्न पूछते हुए चर्चा करें। प्रश्न पूछकर उनके उत्तर प्रतिभागियों से निकल कर आने दें। प्रश्नों के साथ दिए गये संभावित उत्तर सिर्फ चर्चा को आगे बढ़ाने में आपकी मदद के लिए हैं।

**क्या आपसी बातचीत के लिए सही माहौल था? क्या कमी थी?
प्रभावी आपसी बातचीत के लिए सही माहौल होना जरूरी क्यों है?**

कहानी में आपसी बातचीत के लिए सही माहौल नहीं था। वहां बहुत भीड़ थी। कई लोग ए.एन.एम. दीदी को घेरकर खड़े हुए थे। इस भीड़-भाड़ से ए.एन.एम. दीदी भी चिड़चिड़ाई हुई थीं।

प्रभावी संचार के लिए अच्छा माहौल होना जरूरी है, ताकि लोग कही जा रही बात को ध्यान से सुन और समझ सकें। शोरगुल में कहने वाला और सुनाने वाला, दोनों ही अपना ध्यान केन्द्रित नहीं कर पाते। इसके अलावा कोई खास या गोपनीय बात भी भीड़-भाड़ में नहीं हो सकती।

‘चार जरूरी सन्देश’ क्या हैं? इन्हें देने से क्या लाभ हैं?

- ◆ आज कौन सा टीका लगा, और इससे किन बीमारियों से बचाव होगा।
अक्सर लोगों को पता ही नहीं होता कि उनके बच्चे को आज कौन सा टीका लगा और यह टीका किन बीमारियों से बच्चे की रक्षा करेगा। यह बताने से बच्चे को टीकाकरण के लिए लेकर आने वाले व्यक्ति को टीके के महत्व के बारे में भी पता चलेगा। लोग टीकाकरण को और भी गंभीरता से लेंगे।
- ◆ इस टीके को लगाने के बाद कौन-कौन सी सामान्य परेशानियां हो सकती हैं।
बहुत से लोग टीकों के कुप्रभाव के डर से बच्चे को टीके नहीं लगवाते। अक्सर टीकों के पकने या बुखार आने से परिवार के लोग घबरा जाते हैं। यह बच्चे को टीके न लगवाने या उसका टीकाकरण छुड़वा देने का कारण है। इसलिए हर बच्चे को टीका लगाते समय ए.एन.एम. दीदी को बच्चे को साथ लाने वाले व्यक्ति को यह बताना चाहिए कि इस टीके को लगाने के बाद कौन-कौन सी सामान्य परेशानियां, कुप्रभाव हो सकते हैं, और ऐसी हालत में क्या करना चाहिए।
- ◆ टीका लगवाने के लिए अगली बार कब आना है।
यह देखने में आया है कि अक्सर लोगों को मालूम ही नहीं होता कि बच्चे को अगला टीका कब लगाना है। इसलिए यह जानकारी देना जरूरी है।
- ◆ मातृ एवं शिशु सुरक्षा कार्ड (जच्चा-बच्चा कार्ड) को संभाल कर रखना और टीकाकरण के लिए आते समय हर बार साथ लाना।
गर्भवती के पंजीकरण के साथ ही गर्भवती का जच्चा-बच्चा कार्ड बन जाता है। इस कार्ड पर महिला की गर्भावस्था, प्रसव, जन्म के बाद बच्चे के टीकाकरण, वजन आदि से संबंधित तमाम जानकारियां दर्ज की जाती हैं।

बच्चे को जब भी कोई टीकाकरण या कोई दूसरी सेवा मिलती है, तो उसकी जानकारी इस कार्ड में दर्ज की जाती है। लेकिन लोग जच्चा-बच्चा कार्ड का महत्व नहीं समझते। अक्सर वे इस कार्ड को संभाल कर नहीं रखते, या टीकाकरण के समय लेकर नहीं आते।

क्या ए.एन.एम. दीदी ने 'चार जरूरी सन्देश' दिए थे? फिर क्या गड़बड़ हुई? क्या संगीता 'चार जरूरी सन्देश' समझ पाई होगी?

ए.एन.एम. दीदी ने संगीता को 'चार जरूरी सन्देश' दिए थे, लेकिन लगता तो नहीं कि संगीता इस संदेशों को सुन और समझ पाई होगी।

ए.एन.एम. दीदी को किन बातों का ध्यान रखना चाहिए था?

ए.एन.एम. दीदी को संगीता से सम्मान से पेश आना चाहिए था। उन्हें जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए थी। उन्हें सुनिश्चित करना चाहिए था कि संगीता ने 'चार जरूरी सन्देश' ठीक से समझ लिए हैं या नहीं।

आपको क्या लगता है- संगीता ए.एन.एम. दीदी से क्या पूछना चाहती होगी? उसे पूछने का अवसर न मिलने के क्या परिणाम हो सकते हैं।

हो सकता है कि संगीता बच्चे के स्वास्थ्य या फिर टीके के कुप्रभाव के बारे में कोई बात करना चाहती हो। जानकारी के अभाव में या अपने प्रश्न का उत्तर न पाने से यह भी हो सकता है वह बच्चे को टीके लगवाना ही छोड़ दे।

संचार में ध्यान से सुनना क्यों जरूरी है?

- ◆ सुनने की कला आपसी बातचीत सलाह के लिए बेहद जरूरी है।
- ◆ सुनने का आशय सिर्फ सुनने से ही नहीं बल्कि सक्रिय रूप से सुनने से है। सक्रिय रूप से सुनने का अर्थ है – सुनने के साथ समझना भी। इसके तहत हम स्वयं कम से कम बोलकर दूसरे को अधिक से अधिक बोलने का अवसर देते हैं।
- ◆ सुनने का मतलब दूसरों को अपनी बात कहने के लिए प्रोत्साहित करना भी है। जब हम किसी की बात ध्यान से सुनते हैं, तो हम उसे सम्मान भी देते हैं।
- ◆ सुनने से ही हम सामने वाले व्यक्ति की समस्या को समझ सकते हैं।

नमस्ते का जवाब न देना, जल्दी करना क्या ठीक है?

वैसे तो ए.एन.एम. दीदी को स्वयं ही संगीता का हालचाल पूछना चाहिए था। अभिवादन का जवाब न देकर ए.एन.एम. दीदी ने संगीता के प्रति असम्मान दिखाया। संगीता को यह अच्छा नहीं लगा होगा।

क्या वी.एच.एन.डी. में ए.एन.एम. दीदी के अलावा कोई और संगीता को 'चार जरूरी सन्देश' दे सकता था?

अगर ए.एन.एम. दीदी संगीता को 'चार जरूरी सन्देश' देने से चूक ही गई थी, तो फिर आशा या आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ये सन्देश दे सकती थी।

चरण 5

अब दूसरे समूह को 'संगीता और चार सन्देश' स्टोरी कार्ड का दूसरा भाग दें। पहले समूह की तरह दूसरा समूह भी कार्ड को देखकर कहानी बनायेगा। समूह के 6 सदस्य एक-एक कर मॉड्यूल से कहानी को पढ़ते जायेंगे।

कार्ड 1

इस बार संगीता जब अपने बच्चे को टीके लगवाने आई, तो उस समय काफी लोग मौजूद थे। लेकिन इस बार ज्यादा शोर नहीं था। लोगों के बैठने की अच्छी व्यवस्था की गई थी। आस-पास साफ-सफाई भी थी। एक कोने में आशा फ्लिप बुक दिखाकर कुछ महिलाओं के साथ किसी विषय पर चर्चा कर रही थी।



कार्ड 2

हालांकि ए.एन.एम. दीदी बहुत व्यस्त थीं, फिर भी उन्होंने बच्चे को प्यार करते हुए संगीता से बच्चे के स्वास्थ्य के बारे में पूछा।

संगीता ने बताया कि बीच में बच्चे को एक बार ठण्ड लग गयी थी। उसे बहुत खांसी आ रही थी। यह जानकर ए.एन.एम. दीदी ने चिंता जताई, और पूछा कि ऐसे में संगीता ने क्या किया था। संगीता ने बताया कि वह बच्चे को निकट के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र लेकर गई, और उसे वहां दिखाया। यह जानकर ए.एन.एम. दीदी ने संगीता को शाबासी दी।

संगीता ए.एन.एम. दीदी से कुछ पूछना चाहती थी। ए.एन.एम. दीदी के प्रोत्साहित करने पर उसने पूछा कि क्या बच्चे को दस्त या बुखार होने पर उसे टीका नहीं लगवाना चाहिए? तब ए.एन.एम. दीदी ने उसे बताया कि अगर बच्चे को दस्त और बुखार हो तो उस समय डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए।



कार्ड 3

इसके बाद टीका लगाने से पहले ही ए.एन.एम. दीदी ने संगीता को 'चार जरूरी सन्देश' देना शुरू किया, क्योंकि टीका लगाने के बाद बच्चा रोने लगता, और संगीता कुछ भी सुन नहीं पाती।

कार्ड 4

आस-पास कोई शोर नहीं था। अपनी बारी का इंतजार कर रहे लोग भी इस बार ए.एन.एम. दीदी की मेज से थोड़ा दूर होकर खड़े थे। इस बार संगीता ए.एन.एम. दीदी की बातों को ठीक से सुन पा रही थी। इसके बावजूद ए.एन.एम. दीदी ने संगीता को ये सन्देश दोहराने को कहा। जब संगीता ने सभी बातें ठीक-ठीक दोहरा दीं, तब कहीं जाकर ए.एन.एम. दीदी ने माना कि उनका काम पूरा हो गया है। उन्होंने सन्देश समझने के लिए संगीता की सराहना भी की।



कार्ड 5

इसके बाद ए.एन.एम. दीदी ने बच्चे को टीका लगाया। बच्चा रोने लगा तो उन्होंने उसे प्यार से चुप कराने की कोशिश भी की।



कार्ड 6

मुस्कुराते चेहरे के साथ संगीता बच्चे को लेकर उठ गई। ए.एन.एम. दीदी के चेहरे पर भी एक मुस्कान थी।

चरण 6

निम्न प्रश्नों के आधार पर कहानी की चर्चा करें:

इस बार का माहौल आपसी बातचीत संचार के लिए कैसा था? बैठने की व्यवस्था हो जाने से क्या प्रभाव पड़ा? आशा फिलप बुक दिखाकर महिलाओं के साथ चर्चा क्यों कर रही थी?

इस बार का माहौल आपसी बातचीत के लिए बहुत अच्छा था। पहले बड़ी संख्या में लोग अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। इन लोगों के खड़े रहने से अव्यवस्था हो रही थी। इस बार ये लोग दरी पर बैठे हुए थे।

यह एक ऐसा अवसर था जिसे स्वास्थ्य संबंधी सन्देश देने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता था, इसलिए गांव की एक आशा फिलप बुक की सहायता से टीकाकरण पर लोगों से चर्चा करने लगी। इससे लोगों द्वारा आपस में बातचीत से होने वाला शोरगुल भी कम हो गया।

इसके साथ ही अपनी बारी के इंतजार में ए.एन.एम. दीदी के पास खड़े होने वाले लोगों को थोड़ा सा दूर कर दिया गया, ताकि जरूरत होने पर टीकाकरण, प्रसव पूर्व या अन्य सेवाएं लेने वाला व्यक्ति ए.एन.एम. दीदी के साथ कोई व्यक्तिगत या गोपनीय बात भी कर सके।

इस बार ए.एन.एम. दीदी ने क्या-क्या ठीक किया?

इस बार ए.एन.एम. दीदी सहज थीं। उनके चेहरे पर मुस्कान थी। संचार को प्रभावी बनाने के लिए यह बेहद जरूरी है। उन्होंने संगीता के बच्चे को दुलारा। इससे उन्होंने बच्चे और संगीता के प्रति अपनापन दिखाया।

व्यस्त होने के बाद भी ए.एन.एम. दीदी ने संगीता से बच्चे के स्वास्थ्य के बारे में क्यों पूछा?

किसी का हालचाल पूछ कर हम दोस्ती और अपनेपन के रिश्ते बनाते हैं। इससे आपसी बातचीत प्रभावी बनती है। बच्चे के हालचाल पूछने से एक तो ए.एन.एम. दीदी को बच्चे के स्वास्थ्य के बारे में पता चला, दूसरा संगीता ने ए.एन.एम. दीदी के प्रति अपनापन भी महसूस किया होगा।

प्रोत्साहन देना संचार में कितना महत्वपूर्ण है? क्या कहानी में ए.एन.एम. दीदी ने संगीता को प्रोत्साहन दिया?

कहानी में ए.एन.एम. दीदी ने संगीता को प्रोत्साहित किया। पहली बार जब संगीता ने बताया कि वह बच्चे को ज्यादा खांसी होने पर उसे निकट के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र लेकर गई, और दूसरी बार तब, जब संगीता ने 'चार जरूरी सन्देश' ठीक-ठीक दोहरा दिए। प्रोत्साहन देना आपसी बातचीत में बहुत महत्वपूर्ण है। प्रोत्साहन देने से व्यक्ति सहज हो जाता है, और अपनी बात को खुलकर व्यक्त कर पाता है। इससे स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को स्थिति को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलती है।

संगीता ए.एन.एम. दीदी से क्या पूछना चाहती थी। अगर ए.एन.एम. दीदी उसे प्रोत्साहित न करती, तो क्या उसकी शंका का समाधान हो पाता?

संगीता ए.एन.एम. दीदी से पूछना चाहती थी कि क्या बच्चे को दस्त या बुखार होने पर उसे टीका लगवाना चाहिए। अगर ए.एन.एम. दीदी उसे प्रोत्साहित न करती, तो उसकी शंका का समाधान नहीं हो पाता, और शायद वह बुखार, सर्दी-जुकाम, दस्त जैसी सामान्य बीमारी होने पर बच्चे को टीके लगवाने न आती।

ए.एन.एम. दीदी ने संगीता को 'चार जरूरी सन्देश' टीका लगाने से पहले क्यों दिए?

टीका लगाने से पहले ही ए.एन.एम. दीदी ने संगीता को 'चार जरूरी सन्देश' देना शुरू किया, क्योंकि टीका लगाने के बाद बच्चा रोने लगता, और संगीता कुछ भी सुन और समझ नहीं पाती।

ए.एन.एम. दीदी ने संगीता को 'चार जरूरी सन्देश' दोहराने को क्यों कहा?

ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि संगीता ने चारों जरूरी संदेशों को सही तरीके से समझ लिया है। उसके कोई प्रश्न तो नहीं हैं?

चरण 7

प्रतिभागियों को बताएं कि यह तो स्पष्ट है कि दोनों कहानियों में बहुत अंतर था। कार्ड 13 को दिखाते हुए दोनों समूहों को बताएं कि दरअसल कहानी का एक हिस्सा अभी बाकी है।



दोनों कहानियों के 6-6 कार्ड के साथ कहानी सुनाने के बाद कार्ड 13 दिखाते हुए प्रतिभागियों को कहानी के आगे का हिस्सा बताएं।

पहली वी.एच.एन.डी. में संगीता जैसे अनुभव दूसरे लोगों को भी हुए। खुद स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने भी महसूस किया कि वी.एच.एन.डी. का आपसी बातचीत और संचार के एक अच्छे अवसर के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता था। इस बात को ध्यान में रखते हुए अगली वी.एच.एन.डी. को और भी सार्थक बनाने के लिए एक बैठक हुई, जिसमें ए.एन.एम. दीदी, आंगनवाड़ी दीदी, सहायिका, गांव की आशा के अलावा ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण समिति के सदस्य भी शामिल हुए।

प्रतिभागियों से पूछें कि उनके अनुसार इस बैठक में किन विषयों पर चर्चा हुई होगी, और दूसरी वी.एच.एन.डी. को आपसी बातचीत और संचार की दृष्टि से प्रभावी बनाने के लिए क्या तैयारियां की गई होंगी? किन बातों का ध्यान रखा गया होगा? क्या नया हुआ होगा?

प्रतिभागियों से कहें कि वे अपने अनुभवों के आधार पर उत्तर दें। निम्न बिन्दुओं की सहायता से चर्चा को पूरा करें:

- ◆ बैठक में दूसरी वी.एच.एन.डी. के लिए सभी व्यक्तियों की जिम्मेदारियां तय की जाएगी।
- ◆ वी.एच.एन.डी. से पहले अच्छे से साफ-सफाई की जाएगी। गन्दगी में और भी अव्यवस्था नज़र आती है।
- ◆ खड़े हुए लोगों की सुविधा के लिए इस बार आंगनवाड़ी केन्द्र से दरी मंगवा ली जाएगी, जिसमें लोग आराम से बैठ सकें। आशा द्वारा चर्चा करने से लोगों द्वारा आपस में बातचीत करने से होने वाला शोरगुल भी कम हो जाएगा।

- ◆ आशा को स्वास्थ्य केन्द्र से प्रसव पूर्व देखभाल पर दो पोस्टर मिले थे। उन्हें भी लगाया जाएगा।
- ◆ इस बार ए.एन.एम. दीदी की मेज पर एक चादर या मेजपोश भी डाला जाएगा। इससे भी माहौल थोड़ा खुशनुमा होगा।
- ◆ इस प्रकार सब कुछ व्यवस्थित होने से ए.एन.एम. दीदी इस बार बिल्कुल भी नहीं चिड़चिड़ाएंगी व संगीता और दूसरे लोगों को पर्याप्त समय दे पाएंगी, और इस तरह उनका व्यवहार सभी के साथ बहुत अच्छा रहेगा।

चरण 8

सत्र से जुड़ी अन्य महत्वपूर्ण बातों को प्रतिभागियों को बताएं और धन्यवाद देते हुए सत्र का समापन करें:

- ◆ प्रभावी आपसी बातचीत के लिए सही माहौल बनाना जरूरी है।
- ◆ वी.एच.एन.डी. के लिए सभी व्यक्तियों की जिम्मेदारियां पहले से तय रहनी चाहिए।
- ◆ वी.एच.एन.डी. के स्थान पर साफ-सफाई रखना, तथा अच्छा माहौल बनाए रखना महत्वपूर्ण है।
- ◆ अपनी बारी का इंतजार कर रहे व्यक्तियों के साथ पिलप बुक की सहायता से स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर चर्चा करके हम इस अवसर का प्रभावी आपसी बातचीत और संचार के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।
- ◆ टीकाकरण, प्रसव पूर्व या अन्य सेवाएं लेने वाला व्यक्ति ए.एन.एम. दीदी के साथ कोई व्यक्तिगत या गोपनीय बात भी कर सके, इसे ध्यान में रखते हुए ए.एन.एम. दीदी के आसपास भीड़ नहीं लगानी चाहिए।
- ◆ ध्यान से सुनना, प्रोत्साहित करना, अच्छे संबंध बनाना, अभिवादन करना, सम्मान करना तथा गोपनीयता का पालन प्रभावी आपसी बातचीत के लिए बेहद जरूरी है।
- ◆ हर बार टीकाकरण के समय बच्चे को टीकाकरण के लिए साथ लेकर आने वाले व्यक्ति को 'चार जरूरी सन्देश' देना जरूरी है। इससे लोगों को टीकों के महत्व के बारे में जानकारी मिलती है तथा लोग टीकाकरण को और भी गंभीरता से लेते हैं। टीकों के कुप्रभाव के बारे में लोगों को पहले से जानकारी न होना सभी बच्चों के टीकाकरण में एक प्रमुख बाधा है। 'चार जरूरी सन्देश' देने से यह बाधा भी काफी हद तक दूर होती है। इससे परिवार को यह भी जानकारी रहती है कि बच्चे को अगला टीका कब लगना है और इसका महत्व भी समझेगा।
- ◆ टीकाकरण के दिन बच्चे को बुखार, सर्दी-जुकाम, दस्त जैसी सामान्य बीमारी होने पर बच्चे को टीके लगवाए जा सकते हैं।
- ◆ बच्चे का टीकाकरण कराने आये परिवार के सदस्य या मां को जच्चा-बच्चा कार्ड को हमेशा साथ में लेकर आना चाहिए।

याद रखें

- ◆ वैसे तो इस मॉड्यूल में ज्यादातर बात टीकाकरण के सन्दर्भ में की गई है, लेकिन वी.एच.एन.डी. में तो प्रसव पूर्व देखभाल, पोषाहार वितरण, परिवार नियोजन, वजन निगरानी, ओ.आर.एस. का वितरण आदि कई सेवाएं तथा सलाह दी जाती है।
- ◆ इस मॉड्यूल में आपसी बातचीत के जिन नियमों या तरीकों पर बातचीत की गई, वह सभी विषयों पर लागू होते हैं।





